सत्र 2017-18

विश्व ओजोन दिवस
16 सितम्बर 2023

नव भारत दिनांक 20 सितम्बर 2017

ओजोन दिवस पर व्याख्यान का आयोजन

■ कार्यालय द्वारा। महासमुंद.

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय में सत्र 2017-18 में गठित विज्ञान क्लब ने विश्व ओजोन दिवस पर व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया. व्याख्यान का विषय-ओजोन परत क्षरण का पर्यावरणीय प्रभाव रखा गया था. कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्राचार्य डॉ.ए.के.खरे थे. उनका स्वागत स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण को दृष्टिगत रखते हुए विद्यार्थियों के करतल ध्वनि से किया गया मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में मानव निर्मित राष्ट्रीय एवं अंर्तराष्ट्रीय स्तर की पर्यावरणीय समस्या पर प्रकाश डालते हुए छात्र-छात्राओं को नये खोज एवं शोध की प्रवृत्ति के साथ ज्ञानार्जन करने की बात कही.विज्ञान संकाय प्रभारी प्रो. करूणा दुबे ने वर्षों से लगातार हो रहे ओजोन परत क्षरण को गंभीर एवं चिन्तनीय समस्या बताते हुए कहा कि ओजोन परत का क्षरण मुख्यतया क्लोरो फ्लोरो कार्बन से होता है. जो प्लास्टिक के जलाए जाने एवं रेफ्रिजरेटर के लीक होने से उत्पन्न होती है. इस ओजोन परत क्षरण को रोकने के लिए हमें प्लास्टिक पैकेजिंग के उपयोग को कम करना होगा तथा इसके स्थान पर पेपर पैकेजिंग को बढ़ावा देना होगा. कार्यक्रम का संचालन कर रहें वनस्पति शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.ई.पी.चेलक ने ओजन दिवस का इतिहास बताया. तथा विज्ञान संकाय के विद्यार्थी रामनारायण साहू, जिम्मी चन्द्राकर, प्रेम सिंग, सीमा साहू, देवेन्द कुमार साहू, जानकी कोसरे आदि द्वारा विचार रखें गए. विद्यार्थियों ने अपने व्याख्यान में पौधारोपण करने, वृक्षों की कटाई पर रोकने तथा प्लास्टिक पर पूर्ण प्रतिबंध की बात कही. उक्त कार्यक्रम में प्रो.लोकेष सतपथी, प्रो.प्रदीप कन्हेर, अंतिथि प्राध्यापक अंजन भोई, सिध्दार्थ तिवारी, प्रयोगशाला तकनीशियन सुराज मानकर तथा विज्ञान स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं के विद्यार्थी उपस्थित थें. यह जानकारी कालेज की विज्ञप्ति में दी.

विश्व ओजोन दिवस पर व्याख्यान (16.09.2017) आयोजित

सत्र 2019-20

हरिभूमि 18.09.2019

ओजोन परत के क्षरण से दुष्परिणाम एवं रोकथाम के लिए हुई पोस्टर प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महासमुंद

कीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर वेद्यालय में सोमवार को विज्ञान क्लब द्वारा ोन दिवस मनाया गया। ओजोन परत के ार हो रहे क्षरण के दुष्परिणाम एवं इसके ाम के उद्देश्य को लेकर विज्ञान के विद्यार्थियों य पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई।

र्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि कला संकाय डॉ जया ठाकुर ने अपने वक्तव्य में कहा कि दिवस मनाने के साथ ओजोन परत संरक्षण ा में जागरूकता अति आवश्यक है। उन्होंने क बैग के स्थान पर कपड़े की थैली उपयोग

विश्व ओजोन दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

पराबैगनी किरण को रोकती है परत

भौतिकशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रोफेसर मनीराम धीवर ने बताया कि ओजोन परत की खोज 1913 में भौतिक शास्त्री चार्ल्स फेबी और हेन्री बुशन ने की थी। रसायन शास्त्र विभाग की सहायक प्राध्यापक एवं कार्यक्रम का संचालन कर रही प्रोफेसर सरस्वती सेठ ने बताया कि ओजोन की परत हानिकारक परा बैगनी किरणों को पृथ्वी के वायुमण्डल मे प्रवेश करने से रोकता है।

पोस्टर स्पर्धा में रेशमा रही प्रथम

ओजोन परत संरक्षण में पालेश्वर, विनय पण्डा, प्रकाशमणी साहू, होमेश साहू, भूषण साहू, धनेन्द्र सिन्हा ने भी अपने विचार व्यक्त किए। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान रेशमा त्रिपाठी, द्वितीय मोनिका प्रधान तथा उरूसा खान एवं तृतीय स्थान ओमप्रकाश साहू ने प्राप्त किया। इस अवसर पर व्याख्याता रमेश बंजारे, मंजू पटेल, अंजना मोई, गीतू साहू, षबीता प्रधान, प्रयोगशाला तकनीशियन सुराज मानकर, रोहित कन्नौजे, शशांक दानी उपस्थित रहे।

करने की बात कही। विज्ञान संकाय प्रभारी प्रोफेसर करूणा दुबे ने बताया कि ओजोन परत क्षरण मुख्यतः क्लोरो फ्लुओरो कार्बन से होता है, जिसका उपयोग रेफ्रीजरेशन, एयर कन्डीशनिंग, प्लास्टिक फोम एवं क्लीनिंग सालवेन्ट में होता है। क्लोरो फ्लुओरो कार्बन का जब फोटो केमिकल अपघटन होता है तो क्लोरीन मुक्त मूलक बनता है। एक क्लोरीन मुक्त मूलक ओजोन के एक लाख अणु को नष्ट कर सकता है। वनस्पतिशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. ईपी. चेलक ने कहा कि ओजोन परत को नुकसान पहुंचाने वाले रसायनों पर नियंत्रण के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर 1987 में मान्ट्रियल प्रोटोकाल का गठन किया गया।

पत्रिका 18.09.2019

पोस्टर प्रतियोगिता भी हुई

ओजोन परत के संरक्षण पर दिया जोर

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

महासमुंद. शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय महासमुंद में 16 सितंबर को विज्ञान क्लब द्वारा ओजोन दिवस मनाया गया। ओजोन परत के लगातार हो रहे क्षरण के दुष्परिणाम एवं इसकी रोकथाम के उद्देश्य को लेकर विज्ञान के विद्यार्थियों के मध्य पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई।

उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. जया ठाकुर कला संकाय प्रभारी ने अपने वक्तव्य में कहा कि ओजोन दिवस मनाने के साथ ओजोन परत संरक्षण की दिशा में जागरुकता आवश्यकता है। उन्होंने प्लास्टिक बैग के स्थान पर कपड़े की थैली के उपयोग करने की बात कही। विज्ञान संकाय प्रभारी प्रो.करूणा दुबे ने कहा कि ओजोन परत क्षरण मुख्यतया क्लोरो फ्लुओरो कार्बन से होता है, जिसका उपयोग रेफ्रीजरेशन, एयर कंडीशनिंग, प्लास्टिक फोम एवं क्लीनिंग सालवेंट में होता है। वनस्पतिशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. ईपी चेलक ने कहा ओजोन परत को नुकसान पहुंचाने वाले रसायनों पर नियंत्रण के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर 1987 में मॉन्ट्रियल प्रोटोकाल का गठन किया गया। जिसके अंतर्गत इस वर्ष 2019 का थीम-32 वर्ष और हीलिंग है। भौतिकशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. मनीराम धीवर ने बताया ओजोन परत की खोज 1913 में फ्रेंच भौतिक शास्त्री चार्ल्स फेब्री और हेनरी बुशन ने की थी। रसायन शास्त्र विभाग की सहायक प्राध्यापक एवं कार्यक्रम का संचालन कर रही प्रो. सरस्वती सेठ ने बताया कि ओजोन की परत हानिकारक पराबैंगनी किरणों को पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करने से रोकता है। ये पराबैंगनी किरणें पौधों और जीव जंतुओं को नुकसान पहुंचाने के अलावा त्वचा कैंसर, सनबर्न, मोतियाबिंद, प्रतिरोधक क्षमता में कमी जैसे अनेक बीमारियां पैदा करती हैं। ओजोन परत संरक्षण की दिशा में उपचारात्मक कदम की जानकारी प्रोजेक्टर द्वारा विद्यार्थियों को दी गई। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान रेशमा त्रिपाठी, द्वितीय स्थान मोनिका प्रधान तथा उरूसा खान, तृतीय स्थान ओमप्रकाश साहू ने प्राप्त किया। उक्त कार्यक्रम में रमेश बंजारे आदि उपस्थित रहे।

आयोजन: कॉलेज में ओजोन परत दिवस मनाया गया।

अल्ट्रावायलेट किरणों से सावधान रहने की सलाह

सरायपाली. नेशनल पब्लिक स्कूल बगईजोर में विश्व ओजोन संरक्षण दिवस मनाया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य आतिथ्य पूर्व प्राचार्य दीवाकर मांझी ने विद्यार्थियों को ओजोन की महत्ता बताते हुए उसे संरक्षित रखने शपथ दिलाई। स्कूल संचालक नरेंद्र साहू ने भी विद्यार्थियों को धूप में निकलते समय अल्ट्रावायलेट किरणों से सावधान रहने के लिए जागरूक किया। प्राचार्य नेहा साहू ने भी विद्यार्थियों को ओजोन का महत्व बताया। विद्यार्थियों द्वारा इस विषय पर अनेक कार्यक्रम एवं गतिविधियां प्रस्तुत की गई। प्राचार्य एमएम साहू द्वारा आभार प्रकट किया गया। कार्यक्रम में प्रीति सतपथी, योगेंद्र पटेल, सुमन अग्रवाल, प्रकाश चंद्र बारिक, दीक्षा सतपथी, भुनेश्वर साहू, अनुप्रिया भोई, सीता प्रधान, रेणुका बांक, नवीन बाघ, विनोद चौहान, हेतकुमार पटेल, जोशी रामदास, तरुण प्रधान, नवीन सिंह, वंदना प्रधान, आलोक प्रधान, सीमा खम्हारी आदि उपस्थित थे।

हरिभूमि

पीजी कॉलेज में मनाया गया विश्व ओजोन दि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महासमुंद

शासकीय महाप्रभु वल्ल्भाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 16 सितम्बर को विश्व ओजोन दिवस मनाया गया। यह कार्यक्रम विज्ञान और भूगोल विभाग के संयुक्त तत्वावधान में हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. डॉ. अनुसुइया अग्रवाल थी। विशेष अतिथि के रूप में विज्ञान संकाय प्रभारी प्रो. करुणा दुबे थी। कार्यक्रम की शुरुवात मंचस्थ अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान करते हुए किया गया।

सर्वप्रथम विज्ञान संकाय प्रभारी प्रो. करुणा दुबे ने विश्व ओजोन दिवस की बधाई देते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि मानव और प्रकृति का गहरा सम्बन्ध है। हमें पर्यावरण संरक्षण पर जागरूक होना अति आवश्यक है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण पर विशेष जोर देने की अपील छात्र-छात्राओं से की। तत्पश्चात मुख्य अतिथि प्राचार्य डॉ. अनुसुइया अग्रवाल ने कहा कि हमें हर दिन को ओजोन दिवस की तरह देखना और मनाना चाहिए। प्रत्येक

विद्यार्थी को पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए पौधा लगाना चाहिए और उसका संरक्षण सभी को करना चाहिए। इस बात पर उन्होंने जोर दिया। उन्होंने कहा कि एक विद्यार्थी पेड़ लगाए और पांच लोग उसका संरक्षण करें। रसायन विभाग के सहायक प्राध्यापक प्रो. प्रदीप कन्हेर ने उपस्थित छात्र-छात्राओं को बताया कि ओजोन परत का संरक्षण अति आवश्यक है। यह परत सूर्य की हानिकारक किरणों को पृथ्वी तक आने से रोकती है। हमें त्वचा सम्बन्धी बीमारी, कैंसर जैसी घातक बीमारी से बचाती है। इस अवसर पर उपस्थित छात्र- छात्राओं द्वारा अपना भाषण, वि पीपीटी प्रस्तुत किया गया एमएससी जंतुविज्ञान प्रथम से आशीष सिन्हा, रितिका शशि निषाद तथा बीए द्विती वर्षा गजेंद्र ने अपना विच एमएससी रसायन तृतीय से श्वेता साहू, वैभवी नेताम, दीवान और अंजली पारे ओजोन परत संरक्षण से पॉवर पांइट प्रेजेंटेशन दि कार्यक्रम में रसायन विभाग सरस्वती सेठ, प्राणीशास्त्र वि प्रो. प्रियंका चक्रधारी, गणित से प्रो. गौरव कुमार सोनी, व विभाग से प्रो. अंजन भो विज्ञान संकाय एवं भूगोल छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। व का संचालन रसायन विभाग प्रदीप कन्हेर ने किया। प्रदर्शन गणित विभाग से प्रो कुमार सोनी ने किया।

मानव व प्रकृति में गहरा संबंध पर्यावरण का संरक्षण जरूरी

महासमुंद @ पत्रिका. शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 16 सितम्बर को विश्व ओजोन दिवस का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विज्ञान और भूगोल विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अनुसुइया अग्रवाल थी।

विशेष अतिथि के रूप में विज्ञान संकाय प्रभारी करुणा दुबे थी। करुणा दुबे ने कहा कि मानव और प्रकृति का गहरा संबंध हैं। हमें पर्यावरण संरक्षण पर जागरूक होना अति आवश्यक हैं। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण पर विशेष जोर देने की अपील छात्र-छात्राओं से की। प्राचार्य डॉ. अनुसुइया अग्रवाल ने कहा कि हमें हर दिन को ओजोन दिवस की तरह देखना और मनाना चाहिए। प्रत्येक विद्यार्थी को पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए पौधा लगाना चाहिए और उसका संरक्षण सभी को करना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक विद्यार्थी पौधे लगाए और पांच लोग उसका संरक्षण करें। सहायक प्राध्यापक प्रदीप कन्हेर ने उपस्थित छात्र-छात्राओं को बताया कि ओजोन परत का संरक्षण अति आवश्यक है। इस अवसर पर उपस्थित छात्र-छात्राओं द्वारा अपना भाषण, विचार और पीपीटी प्रस्तुत किया गया।